

110



R 1279/F/06

न्यायालयमाननीय राजस्व मण्डल, म० प्र० ग्वालियर

प्रकरण क्रमांक

1200ई निगरानी

रामदत्त पुत्र बाबूराम बोहरे ब्राह्मण  
निवासी ग्राम सहरोली काली, परगना  
अटेर हाल वाटरवर्क्स नर्सरी के पास  
तहसील व जिला भिण्ड, म० प्र०

प्राथी

पिन्ड

श्री एम. ए. देवराज... द्वारा आज दि. 18/7/06 को प्रस्तुत।

राजस्व मण्डल म० प्र० ग्वालियर

राजस्व मण्डल म० प्र० ग्वालियर

- १। रवीन्द्र नाथ पुत्र श्री ज्ञान बोहरे  
निवासी ग्राम सहरोली काली, तहसील  
अटेर हाल निवासी ग्राम सोनी रेल्वे  
स्टेशन, तहसील मेंहगावि, जिला भिण्ड  
म० प्र०
- २। कैलाश नारायण पुत्र श्री हरजान बोहरे  
निवासी सहरोली काली हाल निवासी  
गेंडे वाली सड़क, बकरा मंडी के पास  
लश्कर (ग्वालियर) म० प्र०
- ३। योगेन्द्र कुमार पुत्र श्री हरजान बोहरे  
निवासी ग्राम सहरोली काली, हाल  
निवासी नबादा गोलम्बर के पास  
तहसील व जिला भिण्ड, म० प्र०
- ४। राजेन्द्र पुत्र श्री हरग्यान बोहरे  
निवासी ग्राम सहरोली काली. हाल  
निवासी डिस्टाइट टाजीव के पास  
लश्कर (ग्वालियर) म० प्र०
- ५। महिला नामा देवी देवा श्री ज्ञान  
हरजान बोहरे, निवासी सहरोली

29/3/06  
9-4/10/06

[Handwritten signature]

काली हाल निवासी योगेन्द्र कुमार  
बोहरे का महान नवादा गोलम्बर  
के पास, तहसील व जिला भिण्ड, म०  
प्र० -- असल प्रतिप्राथीगण

६। आनन्द कुमार उर्फ नीतू पुत्र श्री  
जुगल किशोर बोहरे, निवासी रहरोली  
काली, तहसील अटेर, जिला भिण्ड  
म० प्र०

७। ब्रजदत्त पुत्र श्री बाबूराम बोहरे  
संचालक म० प्र० राज्य परिवहन निगम  
डिपो मुरना, तहसील व जिला  
मुरना, म० प्र०

८। शिवदत्त पुत्र श्री हनुकीलाल बोहरे, निवासी  
वाटर वर्क्स रोड, नर्सरी के पास  
तहसील व जिला भिण्ड, म० प्र०

६। नन्द किशोर पुत्र श्री महेश बोहरे

९०। अरविन्द पुत्र श्री महेश बोहरे  
दोनी निवासी रहरोली काली,  
तहसील अटेर, जिला भिण्ड, म० प्र०

९१। सुभाष कुमार पुत्र श्री ओमप्रकाश  
बोहरे, निवासी रहरोली काली  
तहसील अटेर, जिला भिण्ड, म० प्र०

९२। महिला रामकुंवरि बेवस श्री ओम-  
प्रकाशबोहरे, निवासी रहरोली  
काली, तहसील अटेर, जिला भिण्ड म० प्र०

९३। भावती किशोर पुत्र श्री किशु कुमार  
ब्राह्मण, निवासी वाटर वर्क्स रोड  
नर्सरी के पास, तहसील व जिला  
भिण्ड, म० प्र० -- --

तरतीबी प्रतिप्राथीगण

निगरानी विरुद्ध आदेश अपर आयुक्त महोदय, चम्बल संभाग  
पुराना दिनांक १६ जून, २००६ अन्तर्गत धारा ५० म० प्र० मू  
राजस्व संहिता, १९५६ । प्रकरण क्रमांक २६५।२०००-२००२  
तिरानी ।

श्रीमान,

निगरानी का आवेदन पत्र निम्नानुसार प्रस्तुत है :-

- (१) यहकि अपर आयुक्त महोदय एवम अपर कलेक्टर महोदय की आज्ञायें कानूनन सही नहीं है ।
- (२) यहकि अपर आयुक्त महोदय एवम अपर कलेक्टर महोदय ने प्रकरण के स्वरूप एवम कानूनी स्थिति को सही नहीं समझा ।
- (३) यहकि जिन आधारों पर अनुविभागीय अधिकारी महोदय ने तहसील न्यायालय की आज्ञा को निरस्त किया है तथा तहसील न्यायालय द्वारा की गई कार्यवाही को श्रद्धेय एवम अनियमित माना है वे कारण क्यों कर माने जाने योग्य नहीं है का कोई समुक्ति कारण अपर कलेक्टर महोदय एवम अपर आयुक्त महोदय द्वारा नहीं बताये गये हैं । विशेषकर अपर आयुक्त महोदय ने मात्र अपर कलेक्टर महोदय के आदेश को स्थिर रखा है ।
- (४) यहकि प्रार्थी की ओर से जो आपत्तियाँ निगरानी न्यायालय में उठाई गई थीं उन आपत्तियों पर न तो समुचित क्वार ही किया गया और न उनका निराकरण ही किया गया ।
- (५) यहकि यह निर्विवाद है कि प्रार्थी के पिता बाबूराम के लापता होने से उनकी तामील प्रारम्भिक न्यायालय में नहीं हो सकी तब उनकी सिक्ति ठेक मानते हुये कार्यवाही होना थी अथवा विधिवत कानून की कार्यवाही होना चाहिये थी । अपर आयुक्त महोदय एवम अपर कलेक्टर महोदय ने अभिलेख का अवलोकन किये बिना ही अभिलेख के विपरीत तामील को विधिवत मानने में तथ्यात्मक भूल की है तथा इसी आधार पर प्रारम्भिक न्यायालय के आदेश को स्थिर रखने में भूल की है ।
- (६) यहकि संहिता में कानून के सम्बन्ध में कने नियमों में प्रकाशन से

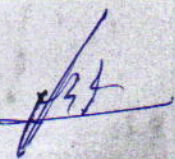
## राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश - ग्वालियर

## अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक - निगरानी-1279-एक/06

जिला - भिण्ड

स्थान एवं दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
29/04/2019	<p>उभयपक्ष अभिभाषक उपस्थित। अनावेदक अभिभाषक ने शपथ-पत्र प्रस्तुत कर अवगत कराया है कि आवेदक द्वारा वारिसानों के रूप में पक्षकार बनवाई में आवेदक द्वारा पक्षकार बनाने हेतु क्र. 1 पर अंकित श्रीमती पुष्पा देवी की वर्ष 2005 में मृत्यु हो चुकी है। तथा उक्त आवेदन-पत्र में क्र. 2 में श्रीमती पुत्री हरजान पत्नी कृष्णमुरारी लिखा है, कोई नाम नहीं लिखा है। इस प्रकार न्यायालय को भ्रम में रखने का प्रयास किया जा रहा है। तथा लम्बे समय उपरांत पक्षकारों का सही संयोजन आवेदक द्वारा किया जा रहा है।</p> <p>प्रकरण का अवलोकन किया। आवेदक द्वारा दिनांक 08.08.18 को अवगत कराते हुए कि अनावेदक क्र. 5 मायादेवी की मृत्यु हो जाने के कारण उनके वारिसान को रिकार्ड पर लाने हेतु समय चाहा। काफी समय व्यतीत हो जाने के पश्चात दिनांक 15.04.19 को मृतक पक्षकार के वारिसान को रिकार्ड पर लाने का आवेदन प्रस्तुत किया। इस आवेदन-पत्र में क्रमांक 1 पर अंकित प्रतिवादी पक्षकार की मृत्यु 14 वर्ष पूर्व अर्थात वर्ष 2005 में ही हो चुकी है। तथा द्वितीय पक्षकार के रूप में किसी का नाम न लिखते हुए केवल श्रीमती पुत्री हरजान पत्नी कृष्णमुरारी लेख किया गया है। जिससे यह स्पष्ट होता है कि आवेदक द्वारा न्यायालय को सही वारिसान की जानकारी न देकर उसे भ्रमित करने का प्रयास किया जा रहा है। आवेदक द्वारा प्रस्तुत आवेदन के संबंध में जब शपथ-पत्र चाहा गया तो यह शपथ-पत्र आवेदक का शपथ-पत्र न होकर उसके पुत्र द्वारा शपथ-पत्र प्रस्तुत किया गया। जिससे स्पष्ट होता है कि आवेदक उसके द्वारा प्रस्तुत आवेदक को शपथ-पत्र द्वारा साबित करने से बच रहा है। इस प्रकार यह स्पष्ट है कि इतने महीनों से आवेदक का पक्षकारों के संयोजन को लेकर</p>	

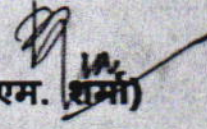


स्थान एवं दिनांक

कार्यवाही तथा आदेश

सदाशयपूर्ण नहीं है एवं उचित पक्षकारों को संयोजित करने में कोई रुचि न लेते हुए न्यायालय को भ्रम में रखकर पक्षकारों के कुसंयोजन का प्रयास कर रहे हैं।

उपरोक्त विवेचना के प्रकाश में यह निगरानी उपसमित की जाती है।

  
(बी.एम. शर्मा)  
सदस्य

